# गृह-विज्ञान प्रसार शिक्षा

## [HOME SCIENCE EXTENSION EDUCATION]

गृह-विज्ञान की शिक्षा पारिवारिक जीवन की शिक्षा है। प्रसार कार्य किसी भी शिक्षा से सम्बन्धित क्यों न हो उसके मूल सिद्धान्तों में अन्तर नहीं होता है। इसी कारण कृषि प्रसार शिक्षा तथा गृह-विज्ञान प्रसार शिक्षा में अन्तर केवल विषय-वस्तु का है। दोनों का दर्शन तत्व तथा सिद्धान्त एक ही है।

गृह-विज्ञान प्रसार शिक्षा के अन्तर्गत प्रौढ़-शिक्षा तथा अनौपचारिक शिक्षा भी सम्मिलित है। इसके माध्यम से गृह-विज्ञान के उपयोगी तत्वों की जानकारी प्रौढ़ महिलाओं को अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से दी जाती है।

इस प्रकार शालेय तथा महाविद्यालयीन वातावरण के बाहर पूर्णतया घरेलू वातावरण में गृह-विज्ञान के अत्यन्त उपयोगी तत्वों की जानकारी उन व्यक्तियों को प्रदान करना, जिन्हें इनकी अत्यन्त आवश्यकता है, यही गृह-विज्ञान शिक्षा प्रसार है। प्रसार-शिक्षा की विधियाँ भी शालेय तथा महाविद्यालयीन शिक्षा की विधियों से भिन्न होती हैं। इन विधियों का मुख्य उद्देश्य यही होता है कि जो भी शिक्षा दी जाये वह जीवन में पूर्णतया आत्मसात कर ली जाये तथा शिक्षा ग्रहण करने वाले व्यक्ति के व्यवहार को बदलने की क्षमता उसमें हो। 'प्रसार' का शाब्दिक अर्थ 'फैलाना' अथवा विस्तार करना है। गृह-विज्ञान के ज्ञान को अधिक से अधिक व्यक्तियों तक पहुँचाना ही गृह-विज्ञान प्रसार शिक्षा है।

**कैल्सी** तथा **हर्ने** के अनुसार, "प्रसार शिक्षा विद्यालयों से बाहर शिक्षा देने की प्रणाली है जिसमें प्रौढ़ एवं युवा व्यक्तियों को स्वयं के कार्यों के द्वारा सिखाया जाता है।

Scanned with CamScanner

## गृह-विज्ञान प्रसार शिक्षा के सम्बन्ध में परिभाषाएँ

'डे' के अनुसार → "गृह विज्ञान प्रसार शिक्षा गृह-विज्ञान से सम्बन्धित वैज्ञानिक एवं तकनीकी ज्ञान को प्रसारित करने का माध्यम है। यह एक ऐसी पद्धति है जिसके द्वारा महत्वपूर्ण बातें उन लोगों तक पहुँचायी जाती हैं, जिन्हें अपनी क्रियाओं, उत्पादन तथा सुधार के लिए वैज्ञानिक व तकनीकी ज्ञान की आवश्यकता है।"

## गृह विज्ञान प्रसार शिक्षा का क्षेत्र

① प्रसार शिक्षा ② प्रसार सेवा ③ प्रसार कार्य

## गृह-विज्ञान प्रसार शिक्षा

① मातृ एवं शिशु कल्याण
② परिवार कल्याण तथा परिवार नियोजन
③ आर्थिक विकास
④ शिक्षा एवं प्रौढ़ शिक्षा
⑤ स्वास्थ्य एवं स्वच्छता
⑥ सर्वांगीण विकास
⑦ कुटीर उद्योगों को प्रोत्साहन
⑧ गृह व्यवस्था तथा सज्जा
⑨ आहार एवं पोषण का ज्ञान
⑩ ज्ञान, कार्यक्षमता और कार्य-पद्धतियों में परिवर्तन
⑪ नेतृत्व और आत्मनिर्भरता का विकास
⑫ मनोरंजन

## गृह विज्ञान प्रसार शिक्षा की विशेषताएं

① पारिवारिक विकास पर आधारित शिक्षा
② महिलाओं पर केन्द्रित शिक्षा
③ आवश्यकताओं पर आधारित शिक्षा
④ वैज्ञानिक ज्ञान पर आधारित शिक्षा
⑤ अनौपचारिक शिक्षा

Scanned with CamScanner

Date __/__/____ Page No.: _____

(6) स्वैच्छिक शिक्षा (7) बहुपक्षीय शिक्षा
(8) दोहरी शिक्षा पद्धति (9) परिणामवादी शिक्षा

## गृह विज्ञान प्रसार शिक्षा का महत्व

(1) परिवार का सर्वांगीण विकास
(2) उत्तरदायित्व की भावना का विकास
(3) आत्मनिर्भरता तथा आत्मविश्वास की भावना का विकास
(4) संतोष की भावना का विकास
(5) स्वास्थ्य सम्बन्धी अच्छी आदतों का विकास
(6) कलात्मक अभिव्यक्ति का विकास
(7) कार्यकुशलता का विकास
(8) संसाधनों का उपयोग और विकास
(9) सरकारी योजना तथा स्वैच्छिक संस्थानों के कार्यों का विकास
(10) व्यावसायिक क्षमता का विकास तथा आर्थिक विकास

इस प्रकार हम देखते है कि गृह-विज्ञान शिक्षा द्वारा दी जाने वाली जानकारी वास्तविक एवं व्यावहारिक बन सकती है जो कि अन्धविश्वासों तथा त्रुटिपूर्ण गृह-सम्बन्धी जानकारी से भिन्न होकर ठोस धरातल पर होगी। गृह-विज्ञान प्रशिक्षित छात्रा को उस विषय की पूर्ण जानकारी प्राप्त होनी चाहिए। कहा भी गया है कि अधूरे ज्ञान से तो अज्ञान ही अधिक अच्छा है। अतः प्रत्येक लड़कियों को औपचारिक या अनौपचारिक ढंग से गृह-सम्बन्धी ज्ञान का होना आवश्यक है जिसकी पूर्ति गृह-विज्ञान प्रसार शिक्षा करती है।

Scanned with CamScanner